वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 165 | सोमवार 10 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने स्व. भंवरलाल शर्मा को दी श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्थित परशुराम भवन पहुंचकर सरदारशहर विधायक स्व. भंवरलाल शर्मा की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गहलोत ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने स्व. भंवरलाल शर्मा के पुत्र अनिल शर्मा तथा शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढाढ़स बंधाया। गहलोत ने कहा कि स्व. भंवरलाल शर्मा जमीन से जुड़े हुए नेता थे। उनका अपने क्षेत्र और आमजन से गहरा लगाव था। उनके स्वर्गवास से प्रदेश को एक अपूरणीय क्षति हुई है।

किशनबाग पर्यटकों के लिए एक अद्भुत स्थान : मुख्यमंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जयपुर स्थित किशनबाग सैंड ड्यून पार्क का अवलोकन किया। गहलोत ने किशनबाग में स्थित विविध मरूस्थलीय वनस्पतियों, पुरातन चट्टानों, मरूस्थलीय टीलों तथा राजस्थानी पद्धति से बने मचानों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पार्क के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पार्क के रेतीले क्षेत्र में उगाई गई स्वदेशी वनस्पति, प्रदेश के अलग-अलग जिलों से लाई गई पहाड़ी तथा भूमिगत चट्टानों, जीवाश्म एवं उनके माध्यम से राज्य के प्राकृतिक इतिहास के वर्णन की सराहना की।

शुद्ध के लिये युद्ध का विशेष अभियान

मिलावटखोरों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई: गहलोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि शुद्ध खाद्य उत्पाद प्राप्त करना नागरिकों का अधिकार है और खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। गहलोत ने कहा कि दीपावली एवं अन्य त्यौहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट कर प्रदेशवासियों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार शीघ्र विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए। गहलोत रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर **''शुद्ध के लिए युद्ध''** अभियान के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, चिकित्सा विभाग तथा खाद्य सुरक्षा विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए नागरिकों को शुद्ध उत्पाद की प्राप्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति मिलावट की सूचना हेल्पलाइन नम्बर-181 तथा जिला स्तर पर जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों को दे सकता है। उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को

भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही मिलावट की जांच के लिए शुरू की गई मोबाइल लैब का उपयोग भी प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष अभियान के दौरान दूध, मावा, पनीर, मिठाइयों, दूध से बने अन्य उत्पादों, आटा, बेसन, खाद्य तेल एवं घी, सूखे मेवे, मसालों, अन्य खाद्य पदार्थों तथा बाट एवं माप की जांच को प्राथमिकता दी जाए। खाद्य पदार्थों में मिलावट कर प्रदेशवासियों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले उत्पादकों, थोक विक्रेताओं और बड़े खुदरा विक्रेताओं के विरूद्ध मौके पर ही सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हर स्तर पर हो रही सक्षम मॉनिटरिंग

बैठक में बताया गया कि जिला स्तर पर सक्षम मॉनिटरिंग के लिए जून 2022 में मुख्य सचिव के माध्यम से आदेश जारी कर जिला कलक्टर की अध्यक्षता में समितियां बनाई जा चुकी हैं। उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में जांच दलों का गठन किया गया है जिनके द्वारा सघन कार्रवाई की जा रही है। इन दलों में पुलिस, चिकित्सा, माप एवं बांट एवं अन्य अधिकारी शामिल हैं। इन दलों द्वारा माप प्रमाणन की गतिविधियां भी बढ़ाई जा रहीं हैं। जनवरी 2022 से अब तक लगभग 2 लाख किलो की मात्रा के मिलावटी तेल, घी, मसाले, दालें, दूध आदि नष्ट अथवा जब्त किए गए हैं। साथ ही इन प्रकरणों में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 5 करोड़ रूपए की राशि अर्थदण्ड के रूप में वसूली गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना में 1 जनवरी, 2022 से **"शुद्ध के लिए युद्ध"** अभियान एक फ्लैगशिप योजना के रूप में चलाया जा रहा है।

गुरु तपोभूमि प्रणेता आचार्य 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के स्वर्ण जन्म जयंती वर्ष पर

अपने गुरु का जन्मदिन 365 दिन तक मनाकर रचा विश्व कीर्तिमान

एक शिष्य ऐसा भी- गुरु के प्रति अदभुत समर्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज जब गुरु शिष्य परम्परा बिखरती जा रही है, लोग कहते हैं ना कलयुग में वैसे गुरु हैं ना ही वैसे शिष्य जो भारतीय संस्कृति की सबसे महत्पूर्ण परम्परा गुरु शिष्य परम्परा को जीवित रख सकें लेकिन सौरभ जैन मोटिवेशनल स्पीकर ने अपने गुरु तपोभूमि प्रणेता आचार्य 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के स्वर्ण जन्म जयंती वर्ष पर उनका का जन्मदिन 365 दिन बहुत ही अनुठे अंदाज में मनाकर इतिहास रच डाला और गुरु शिष्य परम्परा की एक अनूठी मिसाल पेश की ।सौरभ जैन ने बताया कि प्रत्येक दिन को अलग अंदाज में मनाया गया एक भी दिन को दोहराया नहीं गया जैसे किसी दिन डोनेशन डे, फैमिली डे, थैंक्स डे, साइलेंस डे, गिफ्ट डे, पिकनिक डे आदि प्रत्येक दिन कम से कम 10 लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जिसके लिये वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन से सौरभ जैन को वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का सर्टिफिकेट मिला, जानकारी के तौर पर आपको बता दें ये वही सौरभ जैन हैं जिन्होंने 21 अगस्त 2022 को बिरला ऑडिटोरियम में 24 घण्टे की नॉन स्टॉप स्पीच देकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने उज्जैन जाकर श्री महावीर तपोभूमि में विराजित अपने गुरुदेव को विश्व कीर्तिमान का सर्टिफिकेट भेंट किया।

मुनि श्री सुश्रुत सागर जी ने कहा...

आज का दिन कहता है चंद्रमा की तरह शीतल बनो

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात मुनि श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार में आज का दीप प्रज्वलन बहुत ही अद्भुत था विशेष था आज का चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलन नसिया जी के सुरक्षा प्रहरी, पुजारी ,संगीतकार और उनके सहयोगी, पांडाल प्रहरी, आदि महानुभाव ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि नागौर व लाडनूं से पधारे अतिथि महानुभावों ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा मे श्री 105 आर्यिका श्रीआराध्या मति माताजी ने मंगल प्रवचन में कहा गुरु के शब्द ही मंत्र हैं । गुरु की महिमा बहुत है । उसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता है। गुरु की वाणी जो एक बार सुन लेता है वह गुरु का ही हो जाता है ।अगर वचनों में मिठास ना हो तो कोई किसी के पास नहीं जाएगा ,बात नहीं करेगा। हम एक दूसरे से मीठा नहीं बोलेंगे, कड़वे वचन बोलेंगे तो हमें सभी स्थानों से तिरस्कार ही मिलेगा। श्री अनघ्र्य मति माताजी ने काव्य रूप में श्रावक कैसे अपनी क्रियाओं को करें,यह समझाया। भगवान के समक्ष फल अर्पण करने का फल क्या होता है यह भी गुरु मां ने बताया। पूज्य क्षुल्लक जी महाराज श्री सोमित्र सागर जी गुरुवर ने छह ढाला का सार अपने प्रवचन में समझा दिया, आपने कहा अपने जीवन में इतनी शुद्धता रखो कि अपने आसपास में जीवो की उत्पत्ति कभी नहीं होने दे। इससे हम इन एक इंद्री जीवो की रक्षा कर सकेंगे, भगवान के मंदिर में नियम किसके होने चाहिए वहां पंथवाद को फैला कर हम लोग कर्म बंध कर रहे हैं। जो जहां का नियम हो, वही अंगीकार करना चाहिए हम लोग अपने ही हाथों से धर्म को पंथवाद में बांटकर धर्म का नाश करने में लगे हैं । हम लोग सिर्फ वाद-विवाद करने में लगे हुए हैं, हमें अपनी रक्षा स्वयं करनी चाहिए ।

हजारों वर्षों बाद भी मुनि चर्या में बदलाव ना होना बड़ी बात : डी आई जी शुक्ला

आचार्य श्री का अवतरण दिवस भक्ति भाव से मनाया

शिवपुरी. शाबाश इंडिया। भारतीय वसुधा से बहुत से धर्म संस्कृतिया निकले हैं उनमें जैन धर्म भी प्रमुख हैं भगवान महावीर के बाद आज हजारों साल निकल गए फिर भी कोई परिवर्तन नहीं हुआ जैन मुनियों की चर्चा आज भी वैसी है ये जैन मुनि आते कहा से जैन समाज से ही और देखने में आता है कि जैन भी बहुत कठिन नियमों का पालन करते हैं । मैंने जैन संतों के बारे में बहुत पढ़ा है दिल से इच्छा थी उनके दर्शन करूं और केस उखाड़ते हुए देखूं ये आज के भौतिक समय में चमत्कार से कम नहीं है। भारतीय संस्कृति जो ऐसे संतों से भरी है उन संतों की निकटता दुर्लभ है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्री के व्यक्तित्व कृतित्व पर गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए डी आई जी राजीव लोचन शुक्ला, आई पी वी पी ने छत्रि प्रांगण मुनि श्री सुप्रभ सागर जी, मुनि श्री दर्शिल सागरजी महाराज के समक्ष व्यक्त किए। इसके पहले मुख्य अतिथि डी आई जी राजीव लोचन शुक्ल शिवपुरी एस पी श्री राजेश सिंह चंदेल का शिवपुरी जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार जड़ी-बूटि, मत्री रामदयाल मावा, अजित कुमार चौधरी, आर के जैन, स्वरूप चंद्र जैन, मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर ने शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा...

पूर्व जन्मों के फल से ही मिलता है मंदिर जीर्णोद्धार का पुण्यार्जन

पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में मूलनायक भगवान पद्म प्रभ के ऊपर 45फुट के और उत्तंग भव्य पद्म बल्लभ शिखर की जयकारों के बीच रखी आधारशिला

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूर्व जन्मों के फल से ही मंदिर जीर्णोद्धार का पुण्यार्जन मिलता है। धर्म और किये गये दान, दोनों की जड़ हमेशा हरी होती है। अतः अपनी चंचला लक्ष्मी का उपयोग करते हुए खुले हृदय से धर्म और दान करना चाहिए। ये उदगार रविवार को गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा में मूलनायक भगवान पद्म प्रभ के ऊपर 45फुट के और उत्तंग भव्य पद्म बल्लभ शिखर की आधारशिला रखने वाले शिलान्यास समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि प्रातः 7.00 बजे मूलनायक प्रतिमाजी के जयकारों के बीच अभिषेक तथा शांतिधारा की गई। तत्पश्चात माताजी ससंघ के सानिध्य में प्रातः 9.15 बजे मूलनायक प्रतिमा के गर्भ गृह के ऊपर 45फुट के और उत्तंग भव्य पद्म बल्लभ शिखर के शिलान्यास का समारोह हुआ। मंगलाचरण,चित्र अनावरण के बाद दीप प्रज्जवलन किया गया। अतिथियों के स्वागत व सम्मान के बाद पं.अनिल जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ शिला पूजन किया गया। प्रसिद्ध वास्तुविद राज कुमार कोठारी के निर्देशन में आयोजित समारोह में मुख्य दीपक विराजमान करने का पुण्यार्जन हेमन्त-पुष्पा सोगानी को प्राप्त हुआ। आधार शिला रखने का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी सुधीर-इंदिरा जैन दौसा वाले, महावीर-शशि पहाड़ियां, हेमन्त-पुष्पा सौगानी,अनिल-स्वाति जैन, नेमीचंद-सुमित्रा जैन को तथा शिखर की मुख्य शिला रखने का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी कैलाश, राजेन्द्र -इंदिरा बिलाला आकोडिया वालों ने किया। जयकारों के बीच शिलान्यास समारोह सम्पन्न हुआ। युवा समाजसेवी चेतन जैन निमोडिया ने 30 अक्टूबर को होने वाले माताजी के जन्म जयंती समारोह एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह की जानकारी दी। समारोह में सुरेन्द्र पाण्डया, जितेन्द्र मोहन जैन, डॉ जी सी सोगानी, सीए एन के जैन, सुबोध चांदवाड, जिनेन्द्र जैन जीतू सहित बड़ी संख्या में मंदिर कमेटी सदस्य एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

दो दिवसीय दीपावली कॉर्निवल का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

टैलेंट क्लब महिला मंडल के बैनर तले दो दिवसीय दीपावली मेला विद्याधर नगर स्थित उत्सव भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान मेले की स्टॉलों पर सजे उत्पाद सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रहे। टैलेंट क्लब के अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल व कार्यक्रम संयोजक अरुण गुप्ता ने बताया कि इस दौरान विधायक नरपत सिंह राजवी, शालिनी तोमर, शिल्पी सैनी, संजय जोशी, आलोक अग्रवाल, गौतम जैन ने कॉर्निवल में शिकरत की। उन्होंने बताया कि मेले में महिलाओं के निर्मित हैंडमेड आइटम, कुर्तियां, साड़ियां आचार- पापड़ दीपावली सजावटी सामान मोमबत्तियां जैसे अनेक आइटम को लोगों ने काफी पंसद किया। इस मौके पर सेंटल स्पाइन व्यापार परिषद के पदाधिकारी महेंद्र गोयल, रिद्धकरण परसरामपुरिया, मुकेश जेठवानी, विजय बचानी, सहित काफी संख्या में अतिथि गण महिला मंडल के पदाधिकारी संगीता नाटाणी, सुनीता जैन, अनीता अग्रवाल, कविता जैन, नमिता, दीपा, घनश्याम प्रदीप अग्रवाल मौजूद थे।

वेद ज्ञान

आशावादिता भी जरूरी

हम क्यों किसी से स्वयं को कम मानें, जबकि हमारे भीतर अनंत शक्तियों का स्त्रोत प्रवाहित है। जरूरत सिर्फ अहसास की है। एक बार पूरे आत्मविश्वास के साथ स्विच दबा दें, पूरा जीवन रोशनी से भर जाएगा। सफलता का महत्वपूर्ण सूत्र है साहसी मन का होना। मन यदि बुझाबुझा है तो शरीर कभी सक्रिय नहीं बन सकता। मन में स्वयं के प्रति विश्वास होना जरूरी है कि मुझमें अनंत शक्ति संचित है। मैं भी वह सब कुछ कर सकता हूं जो दूसरे लोग करते हैं। एक बार किसी कार्य को करने का लक्ष्य निर्धारित कर लेने के बाद इसे हर कीमत और कठिनाई की लागत पर पूरा करें। किसी कठिन कार्य को करने से उत्पन्न आत्मविश्वास अभूतपूर्व होता है। साहस संघर्षों से जूझने की प्रेरणा देता है। भीतरी शक्तियां कब प्रकट हो जाएं और कब मनुष्य को खतरों के बीच फेंक दें, कहा नहीं जा सकता। निश्चय ही हर व्यक्ति के भीतर अनंत शक्तियों का अक्षय भंडार छिपा है। परिस्थितियां उन्हें प्रकट कर देती हैं। लघु से महान बना देती हैं। विचारक कार्ल बार्ड ने कहा है कि हालांकि कोई भी व्यक्ति अतीत में जाकर नई शुरूआत नहीं कर सकता है, लेकिन कोई भी व्यक्ति कभी भी नई शुरूआत कर सकता है। जीवन के लिए आशावादिता भी जरूरी है, इसी के सहारे छोटी-छोटी नौकाएं तूफानों में भी अपना रास्ता तलाश लेती हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच सही समाधान ढूंढ़ लेती हैं। उसके साथ तीव्र आकांक्षी निर्माण की योजनाएं करवटें लेती हैं। आशावादिता पुरुषार्थ से जोड़ती है। साहस की मीनारें खड़ी करती है। इसीलिए एक लेखक शेन कार्टर ने कहा है कि बेहतर कल के लिए आशावादिता व्यक्ति का पासपोर्ट होता है। कष्टों से घबराएं नहीं, उन्हें सहें। जोखिमों से खेलना सीखेंगे तभी तो मंजिल तक पहुंच सकेंगे। 'मैं यह काम कर नहीं सकता' इस बुझदिली को छोड़कर यह कहना सीखें कि मेरे जीवन-कोश में 'असंभव' जैसा शब्द नहीं लिखा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने कहा है कि 'भविष्य उनका है, जो अपने सपनों की सुंदरता में यकीन करते हैं। जो व्यक्ति सपने देखते हैं, वही उन्हें साकार कर सकते हैं। आदमी ने आसमान में उड़ने का सपना देखा तो उसे हवाई जहाज बनाकर साकार किया।

संपादकीय

खांसी का सिरप बना सिरदर्द

पश्चिम अफ्रीका के गांबिया में कम से कम छियासठ बच्चों की जान इसलिए चली गई कि उन्हें खांसी होने पर एक 'कफ सिरप' पिलाया गया था। यह दवा हरियाणा के सोनीपत में स्थित एक कंपनी में बनी थी। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अभिवावकों ने अपने बीमार बच्चों की तबीयत ठीक करने के लिए वह दवा पिलाई होगी, मगर इसकी कीमत उन्हें उनकी जिंदगी गंवा कर चुकानी पड़ी। अगर यह महज किसी लापरवाही का मामला है तो दवा बनाने वाली किसी कंपनी को क्या इस आधार पर कोई छूट दी जा सकती है? शुरूआती प्रतिक्रिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस मसले पर गंभीर रुख अख्तियार किया और संबंधित खांसी की दवा सहित गांबिया में चिह्नित की गई उन दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी जारी की, जिनकी वजह से छियासठ बच्चों के गुर्दे खराब हो गए और आखिरकार उनकी जान चली गई। इस मसले पर डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि खांसी की ये कुछ दवाएं

इंसान के लिए जहर की तरह हैं। डब्लूएचओ की चेतावनी के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। सवाल है कि किसी दवा के निर्माण और निर्यात या फिर देश में ही किसी मरीज के उपयोग से पहले क्या दवाओं की जांच की कोई व्यवस्था नहीं है, ताकि ऐसी त्रासद घटना को होने से रोका जा सके? दरअसल, शायद यह मामला दबा रह जाता अगर इतनी बड़ी तादाद में बच्चों की जान जाने की घटना किसी बाहरी देश में नहीं हुई होती और डब्लूएचओ ने इस पर सख्त रवैया नहीं अपनाया होता। देश या विदेशों में कहां-कहां इस तरह की लापरवाही की वजह से कितने लोग अपनी सेहत पर कैसा दुष्प्रभाव झेलते हैं या फिर बीमारी से छुटकारे की भूख में जान गंवा बैठते हैं, यह ठीक से पता भी नहीं चल पाता। क्या इस घटना को महज दवा के असर से हुई मौतों के तौर पर देखा जाएगा या फिर इसे किसी हत्याकांड की तरह भी बरता जाना चाहिए? आखिर बच्चों के बीमार होने के बाद भरोसे की वजह से ही वह दवा दी गई होगी। इस भरोसे के उलट गुर्दे खराब होने के साथ छियासठ बच्चों की मौत का जिम्मेदार किसे माना जाना चाहिए? किसी भी दवा के निर्माण से लेकर खुले बाजार में आने से पहले एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें कई स्तरों पर परीक्षण के बाद ही उसे मरीजों के आम उपयोग के लिए जारी किया जाता है। लेकिन हालत यह है कि किस दवा को चिकित्सीय परीक्षण की किस प्रक्रिया से गुजारा गया और उसके क्या परिणाम रहे, इसका ब्योरा आम लोगों की पहुंच में नहीं होता। हर दवा में इस्तेमाल रसायनों का कोई न कोई असर होता है। कई बार ऐसा भी हो सकता है कि कोई रसायन बीमारी को ठीक करने के साथ-साथ शरीर के किसी अन्य हिस्से को गंभीर नुकसान पहुंचा दे या फिर जानलेवा साबित हो। इसलिए जब तक कोई दवा दुष्प्रभाव के लिहाज से सौ फीसद सुरक्षित साबित न हो, तब तक उसके आम इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मंदी की मार

कोरोना काल में पूर्णबंदी की वजह से पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा, मगर सबको यही भरोसा था कि वे जल्दी ही इस संकट से उबर जाएंगे। इसलिए बहुत सारे देश इस बात से इनकार करते रहे कि उनके यहां वास्तव में मंदी का दौर है। भारत सरकार भी मानती रही कि हमारे यहां मंदी का दौर नहीं है और जल्दी ही अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी। मगर अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन ने स्वीकार किया है कि अगले चार सालों तक दुनिया की अर्थव्यवस्था इसी तरह लुढ़कते हुए आगे बढ़ेगी। इन दोनों संस्थाओं ने आर्थिक विकास दर और विश्व व्यापार संबंधी अनुमानों को घटा दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने माना है कि अगले चार सालों में विश्व अर्थव्यवस्था में चार लाख करोड़ डालर की गिरावट आ सकती है। विश्व व्यापार संगठन के मुताबिक इस साल की दूसरी तिमाही में विश्व व्यापार की गति घटेगी और अगले साल तक इसके धीमी रफ्तार से चलने का अनुमान है। अगले वित्तवर्ष में विश्व व्यापार के एक फीसद की दर से बढ़ने का अनुमान जताया गया है। यानी अभी आने वाले कुछ सालों में अर्थव्यवस्थाओं के सुधरने की उम्मीद काफी कमजोर बनी हुई है। मंदी की मार से बचने के लिए अमेरिका सहित तमाम विकसित देशों ने अपने यहां ब्याज दरों आदि के मामले में कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कुछ देशों में इसके सकारात्मक नतीजे भी आने शुरू हो गए हैं। मगर महंगाई और नए रोजगार सृजित करने के मामले में चुनौतियां सबके सामने खड़ी हैं। इस मामले में भारत के सामने चुनौती इसलिए बड़ी है कि यहां संसाधनों पर आबादी का दबाव अधिक है और जिस अनुपात में यहां बाजार और निवेश का विस्तार होना चाहिए, वह नहीं हो पा रहा है। कच्चे तेल, दवाओं के लिए रसायन आदि बहुत सारी चीजों के लिए भारत दूसरे देशों पर निर्भर है। फिर डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में लगातार गिरावट बनी हुई है, विदेशी मुद्रा भंडार छीज रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जगह बढ़ाना तो दूर, घरेलू बाजार में भी वस्तुओं के लिए जगह सिकुड़ती जा रही है। इस तरह व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमों को लचीला बनाने के बावजूद विदेशी और घरेलू निवेशकों में उत्साह पैदा नहीं हो पा रहा। जाहिर है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी का माहौल बना रहेगा, तो भारत के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औद्योगिक विकास दर चिंताजनक स्तर पर नीचे बनी हुई है। चूंकि सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक निर्भरता औद्योगिक क्षेत्र पर बनती गई है, इसलिए इस क्षेत्र की मंदी का असर अर्थव्यवस्था पर साफ दिखता है। छोटे, मंझोले और सूक्ष्म उद्योग अभी बंदी की मार से उबर नहीं पाए हैं। इसलिए तमाम कोशिशों के बावजूद रोजगार के नए अवसर पैदा नहीं हो पा रहे। रोजगार नहीं हैं, तो क्रयशक्ति बढ़ने की संभावना भी क्षीण हो गई है। फिर महंगाई पर काबू पाना कठिन बना हुआ है, जिसके चलते आम लोगों का रोजमर्रा का जीवन भी प्रभावित है। रुपए की कीमत में सुधार, महंगाई से पार पाने और उद्योग जगत की हालत सुधारने के लिए क्रयशक्ति में बढ़ोतरी जरूरी है। खतरा यह भी है कि जब वैश्विक मंदी की मार पड़ती है, तो रोजगार के लिए बाहर गए नागरिकों पर भी संकट गहराने लगता है।

परोपकार के कार्यों में जैन समाज सदैव अग्रणी : बी डी कल्ला

सन् 1885 से निरन्तर अग्रसर श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में नवनिर्मित 'स्वरूप आडिटोरियम' का हुआ लोकार्पण

मुख्य अतिथि शिक्षा कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने किया उदघाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

परोपकार एवं सेवा के कार्यों में जैन समाज हमेशा अग्रणी रहा है।जैन समाज अपनी चंचला लक्ष्मी एवं शक्ति को पीड़ित मानवता की सेवा में उपयोग करता है।ये उदगार शिक्षा,कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने रविवार को शहर की सबसे प्राचीन दिगम्बर जैन संस्था श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति, जयपुर द्वारा संचालित सन् 1885 से जैन- धर्म- दर्शन, संस्कृत एवं जैनागम के शिक्षण में निरन्तर अग्रसर श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,वीरोदय नगर, सांगानेर में नवनिर्मित 'स्वरुप आडिटोरियम' के उदघाटन समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी एवं जैन बन्धु उपस्थित थे। श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस नरेश कुमार सेठी एवं मंत्री महेश चन्द्र जैन चांदवाड ने बताया कि डॉ बी डी कल्ला रविवार को प्रातः 10.30 बजे से आयोजित इस उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इससे पूर्व भगवान महावीर के चित्र के समक्ष डॉ बी डी कल्ला,स्वरुप चन्द सेठी, नन्द किशोर पहाड़ियां, कमल कुमार बड़जात्या, अनिल पाटनी दीवान, देवेन्द्र कुमार जैन के प्रतिनिधि सीए सतीश अजमेरा ने दीप प्रज्जवलन किया एवं शिला पट्टिका का अनावरण किया गया। मंगलाचरण के बाद पुनः दीप प्रज्जवलन किया गया। मानद् मंत्री महेश चन्द्र चांदवाड ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि सन् 1885 में आषाढ कृष्णा पंचमी को जयपुर के महाराजा सवाई माधोसिंह के शासनकाल में विद्या गुरु राम बहादुर बाबू कान्ति चन्द्र मुखर्जी प्रधानमंत्री जयपुर राज्य के करकमलों से महापाठशाला की स्थापना हुई थी। शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड आईएएस अधिकारी नरेश कुमार सेठी ने संस्था की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सन् 1885 से आज तक 137 वर्षों से यह परम्परा निरन्तर अक्षुण्ण और सुविकसित है। इस दीर्घ काल में अनेक विषम परिस्थितियों के मध्य अपने आदर्शों, सिद्धांतों एवं उद्देश्यों को सुरक्षित रखते हुए सम्पूर्ण देश में जैन दर्शन,धर्म, साहित्य और संस्कृति के प्रचार प्रसार तथा अध्ययन-अध्यापन का महत्व पूर्ण कार्य किया है। बड़े बड़े विद्वान व गणमान्य लोगो ने इस संस्था में अध्ययन किया है। सेठी ने शिक्षा मंत्री डा बी डी कल्ला से मांग की कि राज्य सरकार को 100 वर्ष से प्राचीन शिक्षण संस्थाओं को ग्राफ्ट इन एंड अनुदान देना चाहिए। इस मौके पर समिति को तकनीकी सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले तथा आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों का समिति की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। डॉ स्वाति अग्रवाल,गौरवी गुप्ता,एश्री मित्तल, डॉ गीता रघुवीर द्वारा कत्थक नृत्यों की प्रस्तुति दी गई।मंच संचालन मृदुला पाटनी एवं मृदुल भसीन ने किया। उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाटनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मानद् मंत्री महेश चन्द्र चांदवाड ने सभी को वात्सल्य सह भोज के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, जस्टिस एन के जैन, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दिगम्बर जैन महासमिति के अंचल अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, इंजीनियर पी सी छाबड़ा, रमेश गंगवाल, योगेश टोडरका, अनिल छाबड़ा, अशोक पाटनी, विनोद छाबड़ा 'मोनू', डॉ शीला जैन सहित बड़ी संख्या में विद्वतजन, गणमान्य श्रेष्ठी, समाज बन्धु, महाविद्यालय के अध्यापक गण, छात्र-छात्राऐ शामिल हुए।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा चारा वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सामाजिक कार्यों की कड़ी में रविवार को प्रात 9 बजे अभिषेक- नीतू जैन के सहयोग से वन्दे मातरम सर्किल गौशाला में गायों को चारा वितरण एवं कबूतरों को दाना वितरण किया गया । कार्यक्रम में अनिल गदिया उपाध्यक्ष, अभिषेक - नीतू जैन एवं उनके परिवार जन उपस्थित थे।

जग्गा की बावड़ी जैन मंदिर का वार्षिक मेला संपन्न

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का प्राप्त हुआ सानिध्य, हुआ नवनिर्मित डोम 'प्रेम सभागार' का उदघाटन एवं वर्षा के पानी के टांके का शिलान्यास

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिनेन्द्र देव की प्रतिमा के दर्शन से मन को शांति मिलती है। सदमार्ग का संदेश मिलता है। तीर्थ स्थानों की यात्रा व दर्शन से मन को वीतरागता मिलती है। धर्म, दान के लिए भावना बड़ी रखनी चाहिए। ये उदगार आचार्य सुनील सागर महाराज ने श्री दिगम्बर जैन मंदिर जग्गा की बावड़ी में रविवार को आयोजित वार्षिक मेले के मौके पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। इस मौके पर नव निर्मित डोम 'प्रेम सभागार' का उदघाटन एवं वर्षा के पानी के टांके का नींव शिलान्यास किया गया। अध्यक्ष दीप चन्द चौकडायत एवं मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि प्रातः 7.00 बजे आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का मंदिर प्रांगण में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर कमेटी द्वारा पाद पक्षालन एवं आरती के साथ आचार्य संघ की अगवानी की गई। तत्पश्चात भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद धर्म सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंगलाचरण पूर्वी जैन ने किया। समाज श्रेष्ठी समाजश्रेष्ठी तारा देवी,साधना,सक्षम-प्रियंका गोदीका ने चित्र अनावरण एवं संजीव -चन्द्रिका जैन,सार्थक जैन ने दीप प्रज्जवलन किया। मंत्री सुनील बख्शी ने स्वागत भाषण दिया। धर्म सभा का संचालन मनीष बैद ने किया। तत्पश्चात नवनिर्मित डोम 'प्रेम सभागार 'का उदघाटन समाजश्रेष्ठी संजीव -चन्द्रिका जैन,सार्थक जैन ने किया। तत्पश्चात वर्षा ऋतु के जल को एकत्रित करने के लिए पानी के टांके का नींव शिलान्यास पं.प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में समाजश्रेष्ठी तारा देवी, साधना, सक्षम-प्रियंका गोदीका ने किया। इस मौके पर राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मुकुल कटारिया, प्रदीप ठोलिया,सुदीप ठोलिया,कमल वैद,टी के जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी उपस्थित थे। तत्पश्चात प्रातः 10.15 बजे चौबीसी भगवान की साज बाज के साथ पूजा की गई। प्रातः 11.15 बजे श्री जी का पंचामृत अभिषेक किया गया।आरती के साथ समापन हुआ। बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी व श्रद्धालु गण शामिल हुए इससे पूर्व आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ससंघ प्रातः7.00 बजे राणा जी की नसियां से जग्गा की बावड़ी मंदिर पहुंचे।

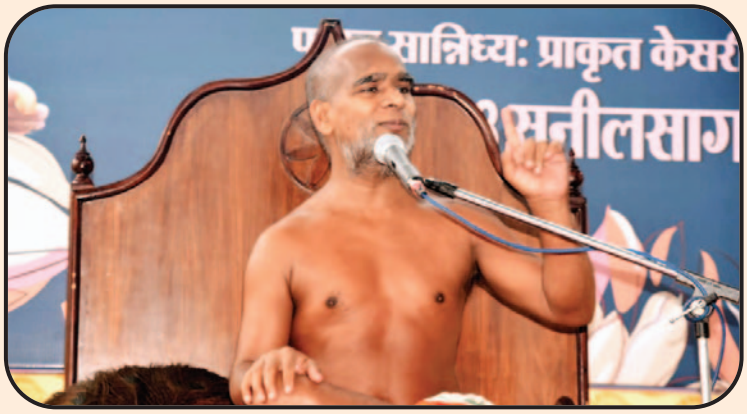

महामृत्युंजय विधान हुआ संपन्न

दो महासंतों की मनाई जन्म जयंती

बगरु, जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राचीन ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर दहमी कलां मे आज आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव के सानिंध्य मे महा मृत्युंजय विधान महामंडल की महाआराधना व महापूजा पहली बार मंडल पर की गई। महामंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया आज के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य प्रकाशचंद्र रानी जैन झांझरी, अभिषेक करिश्मा, राहुल कविता, अवि, अन्व जैन झांझरी परिवार महलां को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने महामृत्युंजय विधान पर जोर देते हुए कहा की यह महाआराधना मानव मात्र के सुख, समृद्धि, परिवार की शांति, व्यापार वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति, रोग निवारण,संतानप्राप्ति, सर्व कार्य सिद्धि प्रदायक जो सर्वे कार्य सिद्धि दायक नवग्रह रोग निवारण आदि सभी बाधाएं दूर हो इस हेतु यह विधान संपन्न करवाया जाता है। प्रबंध कार्यकारिणी समिति के मंत्री मनोज पाटनी ने बताया की शरद पूर्णिमा रवि पूर्णिमा पर समाज के दो महा संत आचार्य विद्या सागर जी महाराज एवं साध्वी गणिनि आर्यिका ज्ञान मती माताजी की जन्म जयंती मनाई गई। उल्लेखनीय है आज पूरा भारत में हर्षोल्लास के दोनो महान संतों की जयन्ती मना रहा है।

शांति विधान मंडल का हुआ आयोजन

आचार्य विद्यासागर महाराज के अवतरण दिवस पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

मोहन सिंहल. शाबाश इंडिया

टोंक। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज के 76 वे अवतरण दिवस पर श्री दिगंबर जैन नसिया में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान व कमल सर्राफ ने बताया की शरद पूर्णिमा के अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका 105 ज्ञान मति माताजी का जैन नसिया में अवतरण दिवस के अवसर पर प्रातकाल अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात शांतिविधान मंडल का आयोजन किया गया । जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रीजी को सिंहासन पर विराजमान करने के बाद प्रेमचंद, बाबूलाल, मनोज कुमार, बसंत कुमार श्यामपुरा वाले ने मंगल कलश स्थापित किया गया । तत्पश्चात शांतिविधान मंडल की पूजा अर्चना बड़े भक्ति भाव से किया जिसमें आदिनाथ भगवान, शांतिनाथ भगवान एवं आचार्य विद्यासागर जी महाराज, आर्यिका गणिनी 105 ज्ञानमती माताजी की पूजा अर्चना की गई । इस मौके पर विद्यासागर जी महाराज के भजनों पर जिसमें हर जन्म में गुरुवर आपका साथ चाहिए, गंगा जमुना में जब तक ये पानी बहे मेरे गुरुवर हमेशा जिंदगानी रहे पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया। इस मौके पर समाज के नेमीचंद बनेठा, विकास अत्तार, अंकुर पाटनी, मुकेश बरवास आदि श्रद्धालु उपस्थित थे ।

नेट थिएट पर सैक्सोफोन के स्वर गूंजे

शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियों ने मौसम को खुशनुमा बनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में जयपुर के जाने-माने कलाकार उस्ताद रशीद खान ने ''ब्रास विंड मेलोडी' कार्यक्रम मे जब सैक्सोफोन पर राग जोग बजाई तो मौसम खुशनुमा हो गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि उस्ताद रशीद खान ने राग जोग में आलाप, जोड़, झाला और बंदिश बजाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, इसके बाद उन्होंने राग मिश्र मांड मे केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश सुनाकर राजस्थान की सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत किया और अंत में बहुत ही लोकप्रिय गीत राग पूजा कल्याण में साथी रे भूल न जाना की मधुर स्वर लहरियों इतने मीठे अंदाज में पेश किया कि श्रोता वाह-वाह कर उठे। इनके साथ तबले पर दिलशाद खान, कीबोर्ड पर वासिद खान और ऑक्टोपैड पर मोहसिन अंशु ने असरदार संगत कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। कार्यक्रम में भाजपा सांस्कृतिक और पर्यटन प्रकोष्ठ के सदस्य विक्रम सिंह धोधलिया उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश संयोजन मनोज स्वामी, कैमरा जीतेंद्र शर्मा, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का 77 वां अवतरण दिवस मनाया

थाना प्रभारी जितेंद्र नगाइच ने कहा आचार्य श्री केवल जैन समाज ही नहीं अपितु सर्व समाज के संत

अंबाह. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 77वाँ ''**अवतरण दिवस**'' नगर में धूमधाम से मनाया गया नगर के सभी जैन मंदिरों में सुबह नित्य नियम पूजन अभिषेक शांति धारा के साथ-साथ आचार्य श्री का महापूजन बड़े भक्ति भाव के साथ श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा सरकारी अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड, कुपोषण वार्ड एवं जनरल वार्ड में फल वितरण कर मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। इसके साथ ही अस्पताल में मौजूद मरीजों के

अटेंडर एवं स्टाफ को भी फल वितरण किये गये। इस दौरान मौजूद नगर निरीक्षक जितेंद्र नगाइच ने कहा कि आचार्य भगवान ने मूक पशुओं की रक्षा के लिए देश भर में जगह जगह गौशाला खुलवाई है, संस्कारित शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों को प्रतिभास्थली स्कूल में शिक्षा दी जा रही है, अहिंसक वस्त्रों का उपयोग हो इसके लिए हथकरघा उद्योग से लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हुए कपड़ों का निर्माण कार्य हो रहा है,चिकित्सा के क्षेत्र में भाग्योदय तीर्थ में लाखों लोगों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

आचार्य विनीत सागर ने कहा...

अभिमान का त्याग कर स्वाभिमान को धारण करो

कामां. शाबाश इंडिया

शहर के विजय मती त्यागी आश्रम में विराजमान दिगंबर जैन आचार्य विनीत सागर महाराज ने गुरु भक्ति के दौरान अपने नियमित प्रवचनों में कहा कि स्वाभिमान और अभिमान दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची नहीं अपितु विलोम शब्द है जहां स्वाभिमान आत्मसम्मान, आत्म गौरव का प्रतीक है तो वही अभिमान अहम,घमंड को दर्शाता है। वर्तमान समय में व्यक्ति अज्ञानता के कारण अभिमान को ही स्वाभिमान मानकर अपनी कार्य शैली में व्यस्त है, जबकि ऐसा कदापि नहीं है क्योंकि स्वाभिमान सकारात्मकता व उत्थान एवं अभिमान नकारात्मकता व अवनति को ही प्रदान करने वाला है। व्यक्ति को अभिमान का त्याग कर स्वाभिमान को धारण करना चाहिए। आचार्य ने कहा कि हर व्यक्ति की सोच एक समान नहीं हो सकती है और वह अपनी सोच के अनुसार ही हर क्रिया का आकलन करते हैं अर्थात उनकी अच्छाइयां एवं बुराइयों का समीकरण अपनी सोच के अनुसार ही लगाते हैं। सोच मानव की प्रवृत्ति से निर्धारित होती है अतः प्रत्येक मानव को अपनी प्रवृत्ति में परिवर्तन करना चाहिए। आचार्य ने स्पष्ट करते हुए कहा कि मानव स्वभाव का उसकी प्रवृत्ति पर गहरा प्रभाव रहता है। यूं कहें कि स्वभाव के अनुसार ही प्रवृत्ति का निर्धारण होता है तो इसमें कहीं कोई अतिशयोक्ति नहीं होती है। मानव अपने व्यवहार में परिवर्तन कर सकता है किंतु स्वभाव और प्रवृत्ति में परिवर्तन करना बड़ा ही कठिन कार्य है उसके लिए साधु संतों की संगति अवश्य करनी चाहिए।

शांति विधान का हुआ आयोजन

आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शनार्थ 121 श्रद्धालुओं का दल पदमपुरा आया

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी फागी से अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के लिए स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शनार्थ 121 यात्रियों का दल प्रातकाल दो बसों व कारों से रवाना हुआ। जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए बताया कि उक्त श्रद्धालुओं के दल ने झंडा परिवार की अगुवाई में बाड़ा पदमपुरा में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन करके मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में झंडा परिवार की तरफ से भव्य शांति विधान का आयोजन किया गया। इससे पूर्व श्रीजी का अभिषेक तथा शांति धारा की गई, इस विधान में 101 पूज्यार्थियों ने अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया, गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में आर्यिका नंदीश्वर मति माताजी संघस्थ बालब्रह्मचारिणी दीपा दीदी के द्वारा विधान में विभिन्न मंत्रोचारणों के बीच साज बाज के द्वारा श्री फलों से 128 अर्घ चढ़वाये गये। कार्यक्रम में आर्यिका श्री को फागी में ग्रीष्म कालीन वाचना में प्रवास हेतु सारे समाज ने सामूहिक रूप से श्री फल भेंट किया। कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा, सोहन लाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर जैन सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

श्रद्धालुओं ने की पदमप्रभ भगवान की सामूहिक आरती

बापू गांव में लिया नेमिनाथ भगवान का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ द्वारा रविवार को मासिक पदमपुरा बस यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओ ने सर्व प्रथम बापू गांव जिनालय के दर्शन कर अष्ट द्रव्य चढ़ाए और नेमिनाथ भगवान के कलशाभिषेक देख आशीर्वाद प्राप्त किये। इस दौरान पदमपुरा में विराजमान गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा संयोजक सुदर्शन पाटनी व रवि जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि एकता संघ द्वारा सितम्बर माह से मासिक पदमपुरा बस यात्रा दुबारा शुरू की गई है, यह यात्रा हर माह दूसरे रविवार को आयोजित की जाएगी। रविवार को यात्रियों ने पहले बापू गांव जिनालय के दर्शन किये जिसके पश्चात अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा पहुंचकर पदमप्रभ भगवान के दर्शन कर प्रक्रिमा लगाई, अष्ट द्रव्य चढ़ाए और सामूहिक मंगल आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान क्षेत्र पर विराजमान गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के दर्शन किये और पदमपुरा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान यात्रा में संगठन के अभिषेक जैन बिट्टू, प्रमोद बाकलीवाल, कुलदीप छाबड़ा, अशोक गंगवाल, हर्षित जैन, अमित अजमेरा, शशांत जैन, नितेश जैन, श्रीमती आशा जैन, शिखा गंगवाल, प्रियंका जैन आदि सहित अन्य श्रद्धालुओं यात्रा में शामिल हुए।

अगले महीने यात्रा रविवार, 13 नवम्बर को आयोजित की जाएगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आध्यात्मिक भावों से सराबोर रही "एक शाम राजेंद्र के. गोधा के नाम"

मन की आंखों से गोधा की स्मृति में कलाकारों ने दी भावपूर्ण प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

आध्यामिक वातावरण से सराबोर तोतुका सभागार, जहां शनिवार की शाम अनुराग संगीत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राजेंद्र के. गोधा की स्मृति में ''**एक शाम राजेंद्र के. गोधा के नाम**'' संगीतमय शाम को संजोया गया। अनुराग संगीत संस्थान की ओर से संजोई गई इस शाम में गायकों ने भक्तिभाव व आध्यामिकता से लबरेज शब्दों का सुरों में पिरोकर संगीत की रसधारा बहा दी, जिससे हॉल में बैठे श्रोता भावविभोर हो उठे। समारोह का शुभारंभ समाचार जगत परिवार की ओर से त्रिशला गोधा, मुख्य अतिथि श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल व अध्यक्षता कर रही समाज कल्याण बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ.अर्चना शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। विशिष्ठ अतिथि एमजेएफ लॉयन रोशन सेठी रहे। इसके बाद सभी अतिथियों का संस्थान की ओर से अध्यक्ष ज्ञानचंद झांझरी, महामंत्री डॉ.अजित कुमार जैन, उपाध्यक्ष महेश काला, कोषाध्यक्ष गुंजन जैन व कार्यक्रम संयोजक कश्वी जैन आदि पदाधिकारियों ने तिलक, माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर संस्थान की ओर से समारोह की दीप प्रज्जवलनकर्ता त्रिशला गोधा, प्रियंका गोधा व निशांत गोधा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कश्वी जैन निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म ''कुछ यादें'' में स्व. गोधा की जीवन गाथा को दर्शाया गया। 12 मिनट की इस डॉक्यूमेंट्री का निर्देशन तुषार करनानी व अजय कुमार सैन ने किया है। इस डॉक्यूमेंट्री को सभागार में उपस्थिति सभी जनों ने सराहा। इस मौके पर डॉक्यूमेंट्री ''**कुछ यादें**'' की टीम का भी सम्मान किया। इन कलाकारों ने दी गीतों से भावों की प्रस्तुतियां: समारोह के दौरान स्व. गोधा का स्मरण करते कलाकारों ने मानव जीवन दर्शन, आस्था, विश्वास, प्रेम और आनंद की अनुभुति देने वाले अध्यात्म भजन व गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर

दिल्ली के पीसी नागपाल ने ''**चल उड़ जा रे पंक्षी,अब ये देश हुआ बैगाना**'', अजमेर के डॉ.नासिर मदनी ने कसमें वादे,प्यार वफा,बातें है बातों का क्या..मुंबई तुम ना जाने किस जहां में खो गए...डॉ.अजित कुमार जैन ने याद किसी की आ जाती है,गोधा की छवि मुस्कराती है..जैसे गीतमाला की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा लुधियाना की मंजू शर्मा ने वो जब याद,बहुत याद आए..जयपुर की आंकाक्षा जांगिड़ ने चिट्टी ना कोई संदेश..झुंझुंनूं की डिपल तंवर ने आ लौट के आजा मेरे गीत...व धर्मपाल कुमावत ने वंदे तेरा रे,यहां नहीं है ठिकाना..जैसे भक्तिपूर्ण रचनाएं सुनाई।

नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर को राजेन्द्र के.गोधा पुरस्कार

समारोह के दौरान नेत्रहीन विकास संस्थान जोधपुर को राजेन्द्र के.गोधा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुख्य अतिथि श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल,दीप प्रज्जवलनकर्ता समाचार जगत परिवार की श्रीमती त्रिशला गोधा व प्रियंका गोधा,विशिष्ठ अतिथि एमजेएफ लॉयन रोशन सेठी ने नेत्रहीन विकास संस्थान के पंकज टेलर व पूनाराम विश्नोई को दिया। प्रशस्ति का वाचन महेश काला ने किया।

समारोह ये लोग रहे मौजूद

समारोह में राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला,संस्थान के सांस्कृतिक मंत्री मनोहर पीपली,संगठन मंत्री विमल बज,दिलीप जैन,दिनेश पारीक और कार्यकारिणी सदस्यों में रूपिन काला,राजेन्द्र पापड़ीवाल,सतीश अजमेरा व शांति जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन मनीष बैद ने किया।

मुनि 108 गुरु श्री विशल्य सागर जी ने कहा...

अनुशासन में जो चलता है वही सबसे ऊंचा स्थान को प्राप्त कर सकता है

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया

जैन समाज के द्वारा आयोजित विश्व शांति महायज्ञ समोसरण कल्पद्रुम विधान में आज बड़े ही भक्ति और श्रद्धा पूर्वक जैन मुनि 108 गुरु श्री विशल्य सागर जी का दीक्षा जयंती शरद पूर्णिमा के पावन दिन मनाया गया। इस मौके पर पूरे झारखंड और भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से भक्तजन पहुंचे। सर्वप्रथम आचार्य विराग सागर जी के चित्र का अनावरण किया गया और दीप प्रज्वलित किया गया। अतिथियों ने गुरुदेव का पाद प्रक्षालन किया और शास्त्र भेंट किया। सभी भक्तजनों ने गुरुदेव को श्रीफल चढ़ाया और आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व शिक्षा मंत्री झारखंड सरकार कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव उपस्थित थी। उन्होंने गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया, जैन समाज के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत अभिनंदन किया। निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन में उनको तिलक लगाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर, माला पहनाकर सम्मानित किया। मुनि श्री विशल्य सागर जी के द्वारा लिखित शास्त्र पुस्तक **मत थामो वैशाखीया** का विमोचन मुख्य अतिथि डॉ नीरा यादव ने किया। इस मौके पर उन्होंने

कहा कि आज गुरुदेव के दीक्षा महोत्सव पर पहुंचकर मैं अपने आप को बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हूं , जैन गुरु के द्वारा पिछले 3 महीनों से जिले में अमृतवाणी सुनने का लाभ लोगों को मिल रहा है, इस विश्व शांति महायज्ञ में पहुंचकर मुझे बहुत खुशी हुई है। इससे लोगों का धर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। जैन धर्म के अहिंसा का पालन करके ही विश्व में शांति और जीवन में शांति को लाया जा सकता है। जैन संत विशल्य सागर जी ने भक्त जनों को संबोधित करते हुए अपनी पीयूष वाणी मे कहा कि गुरु से बड़ा तीनों लोकों में कोई भी नहीं हो सकता, गुरु के बाद ही प्रभु का नंबर आता है, जीवन में गुरु का महत्व सबसे ऊंचा है जिसके जीवन में गुरु मिल जाते हैं उसका जीवन सफल हो जाता है। गुरु के द्वारा जो संस्कार दिए जाते हैं वही सबसे बड़ा मुक्ति का मार्ग है। गुरु का उपकार जीवन में नहीं चुकाया जा सकता। अनुशासन में जो चलता है वही सबसे ऊंचा स्थान को प्राप्त कर सकता है। दीक्षा के बिना मोक्ष संभव नहीं है, गुरु और प्रभु रूपी आंखें जीवन को प्रकाश मय बनाती है,जैन धर्म में सभी परिग्रह का त्याग कर दिगंबरत्व रूप धारण कर ही तप त्याग तपस्या की राह पर बढ़ा जा सकता है। इसी पथ पर चलकर आत्म कल्याण हो सकता है। पूज्य गुरुदेव को दीक्षा दिवस पर नई पीछि देने का सौभाग्य सुरेंद्र सौरव काला परिवार को मिला, गुरुदेव ने अपनी पुरानी पीछे मानिकचंद तारामनी मनीष सेठी परिवार को दी। पूरे भारतवर्ष से आए भक्तों ने अपने राज्य के अलग-अलग भेष भूषा में नवरत्न से गुरुदेव का चरण प्रक्षालन किया ,और अष्ट द्रव्य से पूजा कि,कार्यक्रम को डॉक्टर नीलम जैन, डॉक्टर कमलेश जैन बसंत तिजारा राजस्थान, अलका दीदी समाज के मंत्री ललित शेट्टी, सुरेश झाझंरी ने संबोधित किया। इस मौके पर जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप जैन पांड्या, मंत्री ललित सेठी, उपाध्यक्ष कमल सेठी ,मंच संचालन कर्ता राज छाबड़ा, कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र झाझंरी, दिलीप बाकलीवाल चतुर्मास संयोजक सुरेंद्र काला हजारीबाग से विजय लोहारिया, सुशील जैन छाबड़ा, किशोर जैन पांड्या दिल्ली, समाज के अग्रणी ने पूरे कार्यक्रम में अपनी सहभागिता प्रदान की, इस कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तजन पूरे भारतवर्ष से आए, और गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया, यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा, नवीन जैन ने दी।

गुरुदेव के अवतरण दिवस पर नेत्र शिविर का आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया। आज शरद पूर्णिमा संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्या सागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर निशुल्क नेत्र शिविर निशुल्क चशमा व स्वस्थ शिविर का आयोजन पंचवालयति मंदिर मे किया गया। प्रचार संयोजक राजेश जैन दद्दू ने बताया की आयोजन मे विशेष रुप से कासलीवाल परिवार, काला फाउन्डेशन से श्रीमति विमला कासलीवाल श्रीमति अनुपमा विकास एवम सामाजिक संसद कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शशी सोनी आदी उपस्थित हुए। शिविर में आंखों की जांच एवं निशुल्क चंशमो का वितरण किया गया। इस अवसर पर विनोद, चंद्रेश, सुधीर सिघंई सुरेश चंद, घनश्याम, वीरेन्द्र, गोरव, राकेश, डा पवार, डा संदीप, डा नीता बजाज, पंचवालयति मंदिर संघ समिति अहिंसा ग्रप के साथी व अनेक समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे।